भा.वा.अ.शि.प.-हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद

(पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त निकाय)

आधुनिक नर्सरी की स्थापना हेतु क्षमता निर्माण तथा रोपण सामग्री उत्पादन में माइकोराइजल जैव प्रौद्योगिकी का उपयोग: एक रिपोर्ट

अक्टूबर 16, 2025

भा.वा.अ.शि.प.- हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान (हि.व.अ.सं.) ने **"आधुनिक नर्सरी की स्थापना हेतु क्षमता निर्माण तथा रोपण सामग्री उत्पादन में माइकोराइजल जैव प्रौद्योगिकी का उपयोग"** विषय पर **एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम** का आयोजन अक्टूबर 16, 2025, **डीएआरडीए सभागार, हमीरपुर** में किया।

इस कार्यक्रम में बिलासपुर वन वृत्त के 45 वन अधिकारी, कर्मचारी एवं फील्ड स्टाफ ने भाग लिया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को आधुनिक नर्सरी की स्थापना, माइक्रोराइजल जैव उर्वरकों के उपयोग एवं रोपण सामग्री उत्पादन की नई तकनीकों के प्रति जागरूक करना था।

कार्यक्रम के समन्वयक, डॉ. प्रवीन रावत वैज्ञानिक- सी, हि.व.अ.सं., शिमला, ने मुख्य अतिथि श्री निशांत मंडोत्रा, वन अरणयपाल, हमीरपुर तथा विशिष्ट अतिथि श्री योगेन्द्र शर्मा, वन मंडलाधिकारी, हमीरपुर, तथा श्री नितिन नेगी, सहायक वन संरक्षक सहित सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। डॉ. रावत ने आदर्श नर्सरी की स्थापना, आवश्यकताएं और अपेक्षाएं विषय पर चर्चा करते हुए बताया कि मॉडल नर्सरी की स्थापना से उच्च गुणवत्ता वाले पौधों के उत्पादन में मदद मिलेगी, जो कि प्रदेश में चल रहे वनीकरण एवं पुनर्वनीकरण कार्यक्रमों की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक प्रबंधन एवं गुणवत्तापूर्ण बीज सामग्री के प्रयोग से नर्सरी उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इस पहल से स्थानीय लोगों के लिए प्रशिक्षण एवं रोजगार के नए अवसर उत्पन्न होंगे। डॉ. रावत ने यह भी बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम हिमाचल प्रदेश सरकार के हिमाचल प्रदेश क्षतिपूरक वनीकरण कोष प्रबंधन और योजना प्राधिकरण (CAMPA) के अंतर्गत वित्त पोषित परियोजनाओं के तहत आयोजित किया जा रहा है।

श्री निशांत मंडोत्रा, वन अरणयपाल, हमीरपुर ने अपने उद्घाटन सम्बोधन में हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा आधुनिक नर्सरी की स्थापना एवं माइकोराइजल जैव उर्वरक विकसित करने के प्रयासों की सराहना की और प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन के लिए हि.व.अ.सं., शिमला का आभार

प्रकट किया। उन्होनें प्रतिभागियों को प्रशिक्षण में बताई गई तकनीकों को अपनाने की सलाह दी और इस विषय पर गहन चर्चा करने की प्रेरणा दी।

उसके बाद डॉ अश्वनी तपवाल, वैज्ञानिक-एफ ने आधुनिक नर्सरी की स्थापना में माइकोराइजा के महत्व और उपयोग पर प्रकाश डालते हुए बताया कि हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान ने 'हिम मृदा संजीवनी' नामक माइकोराइजल जैव उर्वरक विकसित किया है। यह एक मिट्टी और वर्मीक्यूलाईट वाहक आधारित फॉर्मूलेशन है, जिसका उपयोग औषधीय पौधों और चौड़ी पत्ती वाली फसलों की जैविक खेती में किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, संस्थान ने 'हिम ग्रोथ बूस्टर' नामक माइकोराइजल जैव उर्वरक भी विकसित किया है, जिसे शंकुधारी पौधशालाओं में ग्रोथ बूस्टर के रूप में प्रयोग किया जा सकता है। इससे नर्सरी में शंकुधारी पौधों की वृद्धि अवधि कम होगी, जिससे रोपण बेहतर तरीके से स्थापित हो सकेंगे।

डॉ. संदीप शर्मा, समूह समन्वयक अनुसंधान, हि.व.अ.सं., शिमला, ने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने कार्बनिक खाद, वर्मीकम्पोस्ट निर्माण और आधुनिक नर्सरी की स्थापना के लिए उपयोगकर्ता के अनुकूल तकनीकों पर चर्चा की। इसके अतिरिक्त, उन्होंने हिमाचल प्रदेश के प्रमुख कॉनिफ़र प्रजातियों की कंटेनरीकृत नर्सरी तकनीकों पर अपने अनुभव साझा किए।

इसके बाद, प्रतिभागियों से कार्यक्रम के प्रति विचार मांगे गए तथा विशेषज्ञों द्वारा उनके द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर भी दिए गए।

कार्यक्रम समापन के अवसर पर श्री निशांत मंडोत्रा, वन अरणयपाल, हमीरपुर ने सभी प्रतिभागियों को भागीदारी प्रमाण पत्र वितरित किए।

अंत में, डॉ. प्रवीन रावत, वैज्ञानिक-सी ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के वित्तपोषण के लिए प्रतिपूरक वनीकरण कोष प्रबंधन एवं योजना प्राधिकरण, हिमाचल प्रदेश और इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने के लिए वन विभाग हिमाचल प्रदेश का भी धन्यवाद किया।

****

प्रशिक्षण कार्यक्रम की कुछ झलकियाँ

लाइव समाचार लिंक

1. **दूरदर्शन समाचार हिमाचल: https://www.facebook.com/share/v/17X3pgYak1/**
2. **सन टीवी हिमाचल: https://www.facebook.com/share/v/1W39DDmQRp/**
3. **पब्लिक न्यूज़ हिमाचल: https://public.app/video/sp_hc7qb9fma7syr?utm_medium=android&utm_source=share**